रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ अक्टूबर-दिसम्बर, 2024

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

वर्ष-69 संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर अंक : 04

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.
Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com
http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

किसान मेला एवं संगोष्ठी का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा इफको (भारत सरकार का उपक्रम) के सहयोग से दिनांक 14 दिसम्बर, 2024 को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के युवा किसान विद्यापीठ, कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर, चन्द्रावल रोड, विकास खण्ड-सरोजनीनगर, लखनऊ में एक वृहद् किसान मेला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मेले का उद्घाटन इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं यू.पी. रेरा के चेयरमैन श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) एवं इफको के राज्य विपणन प्रबन्धक, श्री अभिमन्यु राय के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर श्री भूसरेड्डी एवं श्री अभिमन्यु राय के द्वारा संयुक्त रूप से दो प्रगतिशील किसानों क्रमशः श्री सुमित कुमार पुत्र श्री बुद्धिलाल एवं श्री जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री कालेश्वर को शॉल, स्मृति-चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

किसान मेले में कृषि क्षेत्र पर आधारित मेसर्स सिरी सीड्स प्रा.लि., मेसर्स पी.सी.एल. एग्रो लाइफ प्रा.लि., मेसर्स आई.पी.एल. बायोलॉजिकल लि., मेसर्स पारस पेस्टीसाइड्स प्रा.लि./ग्रामीक, मेसर्स नूजीवीडू सीड्स प्रा. लि., मेसर्स केलिंक जैविका एग्री प्रोडक्ट कम्पनी, मेसर्स नवज्योति किसान प्रोड्यूसर क.लि., केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौध संस्थान, उद्यान विभाग, उ.प्र., पशुपालन विभाग, उ.प्र., कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश, मत्स्य विभाग, उ.प्र., भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, मेसर्स

बलरामपुर चीनी मिल्स लि., मेसर्स महाकालेश्वर इन्टर प्राइजेज, निराला हर्बल बायो एनर्जी प्रोड्यूसर कम्पनी, मेसर्स इरादा फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लि., जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ एवं इफको द्वारा स्टाल लगाये गये।

इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी के द्वारा अपने उद्‌बोधन में यह बताया गया कि इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा दो कृषि प्रक्षेत्र क्रमशः ग्राम बिजनौर एवं नीवां, तहसील सरोजनी नगर, जनपद-लखनऊ में संचालित किए जा रहे है। इन कृषि प्रक्षेत्रों पर प्रतिवर्ष कृषि कार्य के साथ-साथ समय-समय पर कृषकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। इसी कड़ी में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा इफको के सहयोग से आज दिनांक 14.12.2024 को संस्था के युवा किसान विद्यापीठ, कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर में एक वृहद किसान मेले एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 400 किसानों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

श्री भूसरेड्डी ने बताया कि इस किसान मेला एवं संगोष्ठी में कृषि की आधुनिकतम तकनीकों के प्रयोग, पर्यावरण संवेदनशीलता, जल-प्रबन्धन, उर्वरक एवं कीटनाशकों का सन्तुलित प्रयोग, कृषि उपकरणों, कृषकों हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं आदि विभिन्न कृषि आयामों के प्रति कृषकों में जागरूकता विकास कर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की संस्थाओं द्वारा स्टाल लगाये गये।

इफको (भारत सरकार का उपक्रम) के राज्य विपणन प्रबन्धक, श्री अभिमन्यु राय के द्वारा बताया गया कि इफको के द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के साथ बहुत पुराना सम्बन्ध एवं समन्वय है और दोनों संस्थाएँ एक साथ मिलकर कृषि के

क्षेत्र में लम्बे समय से काम कर रही हैं और किसानों को आधुनिक तकनीक एवं ड्रोन आदि प्रयोग सम्बन्धी जानकारी एवं प्रशिक्षण आदि उपलब्ध करा रही हैं। मेले में आए किसानों ने बताया कि यहाँ आकर उन्हें अत्यन्त उपयोग सूचनाएँ एवं जानकारी प्राप्त हुई।

संगोष्ठी में श्री तेग बहादुर सिंह, जिला कृषि अधिकारी, लखनऊ द्वारा विस्तार से रबी प्रबन्धन के बारे में बताया गया, जबकि इफको के प्रतिनिधि द्वारा आधुनिक युग में नैनो यूरिया एवं नैनो डी.ए.पी. की उपयोगिता एवं लाभ से किसानों को परिचित कराया गया। कृषि विभाग के सलाहकार श्री सुरेश कुमार राजपूत द्वारा प्राकृतिक खेती/जैविक खेती की आवश्यकता एवं लाभ के बारे में बताया गया और डॉ. राम सुरश शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप द्वारा औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के विषय में बताया गया। श्री प्रवीन कुमार, मुख्य गन्ना प्रबन्धक, बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड द्वारा गन्ने की खेती, सम्भावनाएँ एवं लाभ विषय पर व्याख्यान दिया गया और उपस्थित किसानों का मार्गदर्शन किया गया।

इस किसान मेला एवं संगोष्ठी के आयोजन में केन्द्रीय भूमिका इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) की रही। उनके कुशल प्रबन्धन एवं निर्देशन में समस्त कार्यक्रमों को मूर्तरूप प्रदान किया गया। इस आयोजन में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीन टण्डन एवं उनकी टीम तथा बिजनौर व नीवां कृषि प्रक्षेत्रों के कार्मिकों का सहयोग भी अत्यन्त

गाँधी जयन्ती का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जयन्ती के शुभ अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की समस्त इकाईयों के कर्मचारी एवं अधिकारीगण उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में साक्षरता निकेतन परिसर में निकेतन की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर द्वारा बनवाए गए प्रार्थना भवन में सभी इकाईयों के कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित हुए। तत्पश्चात इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष मा. संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) एवं निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धॉजलि अर्पित किया। इसके उपरान्त सर्वधर्म प्रार्थना की गई। जिसमें सभी प्रमुख चार धर्मों के धर्म गुरूओं के द्वारा प्रार्थना की गई। महात्मा गाँधी के प्रिय भजन 'रधुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम' की धुन बजाई गई।

कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष मा. संजय आर भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रपिता बापू के आदर्शों पर चर्चा करते हुए कहा कि गाँधी जी का मानना था कि हमारे बच्चों को बचपन से ही परिश्रम का गौरव सिखाया जाना चाहिए। यदि व्यक्ति के हाथ में किसी भी प्रकार का हुनर है तो वह और उसका परिवार भूखा नहीं रह सकता। साक्षरता निकेतन की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी आई.ए.एस. (से.नि.) ने अपने सम्बोधन में महात्मा गाँधी के जीवन आदर्श से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के लिए समर्पित होने का संदेश देते हुए कहा कि 'जय जवान जय किसान' का नारा देने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री रहे लाल बहादुर शास्त्री का जन्म भी दो अक्टूबर को हुआ था। उनका सादगी और अनुशासन से परिपूर्ण राष्ट्र को समर्पित जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। अन्त में सूक्ष्म जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

डॉ. वेल्दी फिशर का 45वीं पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन

लखनऊ के कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन की संस्थापिका अक्षरदात्री माँ डॉ. वेल्दी हॉनसिंगर फिशर की 45वीं पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन दिनांक 16 दिसम्बर, 2024 को किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम साक्षरता निकेतन परिसर में बने प्रार्थना सभा में दो मिनट का मौन रख कर उनको श्रद्धाँजलि दी गई।

इस अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर मा. निदेशक महोदया द्वारा माल्यार्पण के उपरान्त अकादमी की कक्षा-7 की छात्रा सुश्री आयुशी वर्मा के द्वारा हिन्दी तथा कक्षा-9 की छात्रा सुश्री उम्मे हबीबा द्वारा अंग्रेजी स्पीच के द्वारा डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन एवं उनके उत्कृष्ट कार्यों पर प्रकाश डाला गया। अकादमी के अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा भी विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

कार्यक्रम के अन्त में सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड ने अपने उद्‌बोधन में विद्यालय के बच्चों का मार्गदर्शन किया। तत्पश्चात वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की प्रधानाचार्या ने उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीण टंडन, विशेष कार्याधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी, श्री सुधाकर मान सिंह, साक्षरता निकेतन परिसर में कार्यरत समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण तथा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के समस्त छात्र-छात्राएँ, अध्यापकगण व सहयोगी कर्मचारी, उपस्थित रहे।

□□□

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

परामर्श सत्र : दिनांक 18.12.2024 को डॉ. नीरा सिंह (सहायक मनोवैज्ञानिक) मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्र, लखनऊ द्वारा कक्षा सातवीं के लिए 'किशोरावस्था की समस्या' और दसवीं कक्षा के लिए 'परीक्षा का डर' विषय पर बच्चों से समूह में चर्चा की गई। छात्रों ने अपनी समस्याओं के बारे में बात की, जिस पर डॉ. नीरा ने उन्हें सामूहिक मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. नीरा ने उन्हें योजना बनाकर और सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हुए उनकी समस्या का समाधान किया। विद्यार्थी अपनी समस्याओं के समाधान से अत्यन्त प्रसन्न दिखे।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम : दिनांक 21.11.2024 को डॉ. विभूति गुप्ता (एसोसिएट प्रोफेसर) द्वारा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के अध्यापकों के साथ 'प्रभावी पाठ योजनाएँ बनाना और शिक्षाशास्त्र पढ़ाना' विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शिक्षकों को प्रभावी पाठ योजना बनाने पर विस्तार से बताया गया। डॉ. विभूति गुप्ता जी ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि उन्हें अधिक से अधिक शिक्षण कार्य गतिविधियों के माध्यम से करना चाहिए और तदनुसार ही सत्र के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए। शिक्षकों ने उनके मार्गदर्शन को ध्यानपूर्वक सुना और उससे बहुत कुछ सीखा तथा अपने शिक्षण कार्य को और अधिक बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी : शिक्षा के अलावा अन्य गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल में पाठ्येत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। पूरे सत्र के दौरान महत्वपूर्ण दिवसों और पर्वों के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अकादमी परिसर में किया जाता है। इस क्रम में माह अक्टूबर, 2024 में महात्मा गाँधी का जन्म दिवस अकादमी परिवार ने उत्साहपूर्वक मनाया। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की स्मृति में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन परिसर में दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 को एक समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में अकादमी के छात्र-छात्राओं के साथ ही शिक्षक एवं अन्य सम्बद्ध कर्मचारीगण भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर सर्वप्रथम निकेतन परिसर में स्थिति प्रार्थना भवन में सर्वधर्म प्रार्थना की गई। तत्पश्चात अकादमी के कक्षा सातवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने 'प्रभात फेरी' भी निकाली। प्रभात फेरी में विभिन्न कक्षाओं के छात्र सम्मिलित हुए। यह प्रभात फेरी अकादमी परिसर से निकल कर साक्षरता निकेतन परिसर से होते हुए लखनऊ कानपुर रोड तक गई। प्रभात फेरी में बच्चों ने 'महात्मा गाँधी की जय', महात्मा गाँधी अमर रहें, के नारों का उद्घोष किया तथा रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम की धुन का गान किया।

वार्षिक खेल दिवस : दिनांक 14.11.2024 को वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी परिसर में बाल दिवस को वार्षिक खेल दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी सक्सेना ने अध्यक्ष

महोदय का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा-9 के छात्रों द्वारा 'सरस्वती वन्दना' के साथ हुई। कई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए बच्चों को पदक, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

पुण्यतिथि का आयोजन : दिनांक 16.12.2024 को चिल्ड्रेन्स एकेडमी द्वारा कबीर थिएटर में अक्षरदात्री माँ वेल्दी फिशर की पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर कक्षा सातवीं और आठवीं के विद्यार्थियों ने डॉ. फिशर के जीवन आदर्शों को अपने शब्दों में व्यक्त किया। कक्षा नर्सरी से यूकेजी तक के बच्चों ने साक्षरता पर आधारित एक सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। छठी से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा 'ईच वन एंड टीच वन' प्रस्तुत कर शिक्षा के महत्व का संदेश दिया। आदरणीय निदेशक महोदया ने बच्चों के प्रयास की सराहना एवं प्रशंसा की और विद्यालय की प्राचार्या ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विज्ञान, कला एवं शिल्प प्रदर्शनी : दिनांक 23.12.2024 को स्कूल परिसर में छात्रों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छह से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी के लिए उपयोगी मॉडल बनाए। कक्षा तीसरी से छठी तक के विद्यार्थियों ने आर्ट एवं क्राफ्ट मॉडल बनाए। प्रदर्शनी का उद्घाटन आदरणीय निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने फीता काटकर किया। निदेशक महोदया ने बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए विज्ञान मॉडलों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे। विद्यार्थियों ने निदेशक महोदया को सन्तोषजनक उत्तर दिये। छात्रों द्वारा आयोजित इस कला एवं शिल्प प्रदर्शनी का विद्यालय के सभी छात्रों, अभिभावकों के साथ ही पुराने छात्रों ने भी खूब आनन्द उठाया। ☐☐☐

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की गतिविधियाँ

'एक पढ़ाए एक' कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला-बहराइच, ब्लाक-जरवल के न्याय पंचायत-निम्दीपुर में संचालित 4 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, यथा- ए.वी. शुक्ला इण्टर कॉलेज, युसरा इन्टर कॉलेज, वेदवती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं रामकृष्ण इण्टर कॉलेज के 149 छात्र व छात्राओं को दिनांक 05.10.2024 तथा दिनांक 04.10.2024 को पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें प्रशिक्षित किया गया। ये सभी छात्र-छात्राएँ दिनांक 10.10.2024 से अपने परिवार अथवा अपने आस-पड़ोस के किसी एक असाक्षर को छः माह की अवधि में नई किरन प्रवेशिका के माध्यम से साक्षर करेंगे।

न्याय पंचायत-निम्दीपुर, ब्लाक-जरवल, जिला-बहराइच में 08 सितम्बर, 2024 से 30 साक्षरता केन्द्रों का संचालन कर छः माह की अवधि में 600 असाक्षरों को साक्षर किया जा रहा है।

न्याय पंचायत-अजगैन, ब्लॉक-नवाबगंज, जिला-उन्नाव में 08 सितम्बर, 2024 से 18 साक्षरता केन्द्रों का संचालन कर छः माह की अवधि मं 360 असाक्षरों को साक्षर किया जा रहा है। प्रेरकों द्वारा संचालित उक्त 18 साक्षरता केन्द्रों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग व भौतिक सत्यापन भी राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. द्वारा किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत-धनावल, ब्लॉक-मांडा, जिला-प्रयागराज में 08 सितम्बर, 2024 से 12 साक्षरता केन्द्रों का संचालन कर छः माह की अवधि में 240 असाक्षरों को साक्षर किया जा रहा है। प्ररकों द्वारा संचालित उक्त 12 साक्षरता केन्द्रों की ऑनलाइन मानीटरिंग व भौतिक सत्यापन भी राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. द्वारा किया जा रहा है।

लखनऊ नगर निगम के अन्तर्गत लाल बहादुर शास्त्री प्रथम वार्ड तथा गोमती नगर (जुगौली) वार्ड में एक-एक साक्षरता केन्द्र का संचालन कर 06 माह की अवधि में 08 सितम्बर, 2024 से कुल 40 असाक्षरों को साक्षर किया जा रहा है। लखनऊ नगर निगम के अन्तर्गत उक्त दोनों वार्डों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग व भौतिक सत्यापन का कार्य भी राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. द्वारा किया जा रहा है। ▫▫▫

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.)	कोषाध्यक्ष
4.	न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	डॉ. उर्वशी साहनी, शिक्षाविद	सदस्य
9.	श्री विष्णु प्रताप सिंह, पूर्व निदेशक (कृषि), उ.प्र.	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	श्री राजेन्द्र सिंह रावत, लेखाकार-कम-कैशियर	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री दया शंकर, मेस सहायक	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

रोजगार मेले का आयोजन : संस्थान द्वारा दिनांक 23 नवम्बर, 2024 को साक्षरता निकेतन परिसर में संस्थान के अध्यक्ष संजय आर. भूसरेड्डी के मार्गदर्शन में एक रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

इस रोजगार मेले में उमंगोट सोलर कम्पनी, इन्दिरा नगर, लखनऊ को आमंत्रित किया गया। सोलर कम्पनी की ओर से कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक श्री सौरभ शर्मा व सेल्स एच. आर. विभाग सुश्री दिशा रावत उपस्थित हुए और उपस्थित लाभार्थियों से परिचय प्राप्त कर उनका साक्षात्कार लिया।

प्रबन्ध निदेशक श्री सौरभ शर्मा ने बताया कि उनकी कम्पनी ने सोलर के उत्पादों के सेल्स और तकनीकी कार्यों के लिए रोजगार हेतु संस्थान के साथ तय अनुबंध के अनुसार इस रोजगार मेले का आयोजन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कम्पनी का उद्देश्य वर्तमान में युवाओं की आकांक्षाओं और उनके रोजगार से सम्बद्ध हैं।

रोजगार मेले में आए हुए प्रतिभागियों में से प्रथम चरण में 30 प्रतिभागियों ने उमगोट सोलर कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक एवं सेल्स एच.आर. सुश्री दिशा रावत के समक्ष साक्षात्कार दिया। इस साक्षात्कार में सम्मिलित तीस प्रतिभागियों में से 20 प्रतिभागी चयनित किए गए।

किसान मेला : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ एवं इफको के संयुक्त तत्वाधान में कृषि प्रक्षेत्र, बिजनौर पर एक बृहद् किसान मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेले में राज्य सरकार के अनेक विभागों तथा किसानों के लिए खेती-किसानी से सम्बन्धित उत्पादों से सम्बन्धी गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन स्टाल के माध्यम से किया गया। जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा भी मेले में आयोजित इस प्रदर्शनी में सहभागिता की गयी।

इस प्रदर्शनी में जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें लाभार्थियों ने अपने स्टाल लगाए। इन स्टालों पर लाभार्थियों द्वारा बनाई गई विभिन्न खाद्य सामग्रियों का प्रदर्शन और उनकी बिक्री की गई। लाभार्थियों ने अपने-अपने स्टाल पर विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों पर बनाई गई वस्तुओं को रखा। इनमें से लोगों ने अचार-मुरब्बा और पापड़ की खरीदारी की। इसके अतिरिक्त सिलाई कढ़ाई केन्द्र पर बनाए गए जूट के थैलों को भी रखा गया। प्लास्टिक के थैलों के दुष्प्रभाव को देखते हुए जूट के इन थैलों की काफी माँग रही और इसे मेले में आए उपस्थित जनों द्वारा काफी सराहा गया। लाभार्थियों द्वारा बनाए गए अचार को भी मेले में लोगों की खूब प्रशंसा प्राप्त हुई।

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

प्रबन्ध मण्डल की बैठक : दिनांक 05 अक्टूबर, 2024 को श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस.(से.नि.) माननीय अध्यक्ष, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की अध्यक्षता में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के प्रबन्ध मण्डल की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों की अनुपालन आख्या एवं अन्य बिन्दुओं का अनुमोदन किया गया एवं प्रशिक्षण संचालन सम्बन्धी दिशा-निर्देश दिये गये ।

बैठक में प्रबन्ध मण्डल के उपाध्यक्ष श्री सुनील वैश्य एवं सदस्य श्री श्रवण कुमार शुक्ला (आई.टी.आई), श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह (जिला विकास अधिकारी), श्री डी.एस. मिश्रा (एल.डी.एम.), डॉ. अजय कुमार यादव (सहायक आयुक्त, उद्योग), श्री दुर्गा लाल (आर.डी.एस.ई.यूपी), श्री बी.एल. सोनकर, डॉ. अनुराधा वार्ष्णेय, श्रीमती सुमन सिंह एवं सदस्य सचिव श्री सुशील कुमार पाठक उपस्थित रहे।

हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शनी : दिनांक 05 अक्टूबर, 2024 को संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी का उदघाटन श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस.(से.नि.) माननीय अध्यक्ष, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा किया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रदर्शनी में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा हाथों से तैयार किए गए उत्पादों का निरीक्षण किया गया और उनकी प्रशंसा की गयी। उक्त के साथ माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न प्रकार की ऋण योजनओं की जानकारी प्रदान की गयी, जिससे प्रशिक्षण उपरान्त वे अपना स्वयं का व्यावसाय प्रारम्भ कर सके।

क्राफ्ट वर्कशॉप का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा पिडीलाइट इण्डिया कम्पनी के सहयोग से दिनांक 10 अक्टूबर, 2024 को कच्ची बस्ती, काकादेव में एक दिवसीय क्राफ्ट वर्कशॉप कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में पिडीलाइट इण्डिया कम्पनी के सुपर टीचर श्री अनिल मल्होत्रा द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को फ्री-हैण्ड फैब्रिक पेन्टिंग, गारमेन्ट्स, क्ले मॉडलिंग प्रोजेक्ट, ग्लास पेन्टिंग एवं केमिकल इम्ब्राइड्री सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ चार दिवसीय कार्यक्रम में संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को अलग-अलग तरह की सजावटी वस्तुओं के निर्माण की जानकारी दी गयी।

कैंडिल मेकिंग एवं डेकोरेटिव का प्रशिक्षण : दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में दो दिवसीय कैंडिल मेकिंग एवं डेकोरेटिव बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें प्रशिक्षिका निशात फातिमा, शिखा शर्मा एवं तौकीर फातिमा द्वारा असिस्टेंट ड्रेस मेकर, ब्यूटी केयर असिस्टेंट एवं असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर कोर्स के प्रशिक्षणार्थियों को डिजायनर दिये एवं विभिन्न प्रकार की मोमबत्तियाँ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

ऋण योजनओं की जानकारी : दिनांक 21 अक्टूबर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के पशुपति नगर स्थित सब-सेन्टर पर संचालित हेल्पर-फुटवियर अपर मेकिंग प्रशिक्षण में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा ऋण योजनाओं की जानकारी प्रदान की गयी।

श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा प्रतिभागियों को स्किल इण्डिया डिजिटल एवं केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी गयी। इसके साथ उ.प्र. सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा

उद्यमी विकास योजना की जानकारी देते हुए योजना में पंजीकरण हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी प्रदान की गयी।

उक्त अवसर पर लेदर इन्स्टीट्यूट बन्थरा, उन्नाव के श्री शिशिर अवस्थी, जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर श्रीवास्तव एवं प्रशिक्षिका शिवांगी सेंगर उपस्थित रहीं।

स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम : दिनांक 19 नवम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के बक्तौरीपुरवा, नौबस्ता स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (SEBI) द्वारा 'स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को आधार उद्यम बनाने हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई।

उक्त जागरुकता कार्यक्रम में सेन्ट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज के स्मार्ट ट्रेनर श्री ओंकार पाल द्वारा संस्थान के लाभार्थियों के साथ बैंक ई-केवाईसी, डिजिटल लेन-देन की जानकारी साझा की गयी।

ऋण योजनाओं की जानकारी : दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के मीरपुर कैण्ट स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा ऋण योजनाओं से सम्बन्धित ब्रोशर प्रदान करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित ऋण योजनाओं की जानकारी प्रदान की गयी।

दिनांक 19 दिसम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यालय परिसर में ऋण योजना हेतु जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जागरुकता कार्यक्रम में श्री डी.पी.सिंह, शाखा प्रबन्धक, शाखा-यूपीएफसी, पंजाब नेशनल बैंक, कानपुर द्वारा विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी गयी साथ ही उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया भी बतायी गयी।

जागरुकता कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत शिशु योजना, किशोर योजना एवं तरुण योजना के माध्यम ऋण सम्बन्धी जानकारी प्रदान की गयी। उन्होंने बताया कि पीएम मुद्रा योजना के लिए आधार उद्यम का होना आवश्यक है, जिसके लिये लाभार्थी की पैन कार्ड तथा आधार कार्ड में दर्ज करायी गयी जानकारी समान होनी चाहिए एवं मोबाइल नम्बर लिंक होना चाहिए।

कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के कार्यक्रम अधिकारी श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, मनोज कुमार पाण्डेय, रुचि गुप्ता, निशात फातिमा, शिखा शर्मा उपस्थित रहें।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम : दिनांक 13 दिसम्बर, 2024 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिंहपुर कछार स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्ण हो चुके ब्यूटी केयर असिस्टेंट एवं असिस्टेंट ड्रेस मेकर के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। ❑❑❑

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

ऋण मेले का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा केन्द्रीय व राज्य स्तरीय अनेकों स्वरोजगार योजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 24.12.2024 के दिन संस्थान कार्यालय परिसर के मुख्य सभागार में ऋण मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री स्वराज गुसांई, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, कार्यकर्ता, संदर्भदाता श्रीमती सीता देवी, श्रीमती आरती देवी व पूर्व प्रशिक्षणार्थी तथा वर्तमान में चल रहे प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी के साथ ही स्थानीय महिलाओं व सामान्य जनों ने भी प्रतिभाग किया।

लोन मेला कार्यक्रम में जिला उद्योग केन्द्र देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री स्वराज गुसांई द्वारा ऋण मेले के आयोजन के अवसर पर पी.एम. विश्वकर्मा, प्रधान मंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्य मंत्री

स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अतिसूक्ष्म के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अतिसूक्ष्म के तहत जो भी प्रशिक्षणार्थी लोन लेना चाहते हैं, वे प्रतिभागी उपरोक्त आवेदन पत्र ऑनलाइन साइट www.msy.uk.gov.in पर भी कर सकते हैं। इस योजना के अन्तर्गत रुपये 25 लाख तक की धनराशि विनिर्माण उद्यम तथा रुपये 10.00 लाख तक की धनराशि व्यवसाय एवं सेवा के लिए ऋण के रूप में प्रदान की जाती हैं।

इसमें लाभार्थी का अंशदान 10 प्रतिशत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, महिला, भूत पूर्व सैनिक व दिव्यांग के लिए 5 प्रतिशत की धनराशि निहित है। इस योजना के अन्तर्गत मैदानी क्षेत्र के लिए 15 प्रतिशत अनुदान व दुर्गम क्षेत्र (कालसी, चकराता) के लिए 20 प्रतिशत अनुदान राशि निर्धारित है।

इस योजना के अन्तर्गत अनुमन्य गतिविधियों में पारम्परिक कृषि को छोड़कर अन्य सभी व्यावसायिक गतिविधियाँ यथा- गौ पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन जनरल स्टोर, हार्डवेयर स्टोर आदि। उपरोक्त योजना के लिए निम्न दस्तावेज आवश्यक हैं- स्थायी निवास/मूल निवास प्रमाण-पत्र आधार कार्ड, फोटो, जाति प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, शपथ पत्र आदि।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत केवल ऑन लाइन प्रक्रिया ही स्वीकृत है ऑनलाइन आवेदन हेतु वेबसाइट www.abiconline.gov.in पर परियोजना/इकाई हेतु योजनान्तर्गत विनिर्माण क्षेत्र के लिए स्वीकार्य अधिकतम लागत रुपये 50.00 लाख तथा सेवा क्षेत्र के लिए स्वीकार्य अधिकतम लागत रुपये 20.00 लाख है। इस योजना के अन्तर्गत मीट से जुड़े उद्योग/बीड़ी, पान सिगरेट आदि नशीली वस्तुओं का उत्पादन किया जाना निशिद्ध है, साथ ही चाय, कॉफी, रबर आदि के बगान सहित फसलों के खेती से जुड़े उद्यम/कार्य, 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाले पॉलीथीन की थैलियों का विनिर्माण और रिसाइकिल प्लास्टिक से बने थैले आदि का उत्पादन भी निशिद्ध है। इसमें अनुमन्य गतिविधियों में रेस्टोरेण्ट, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, आटा चक्की, साइबर कैफे आदि शामिल है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत विनिर्माण, प्रसंस्करण, व्यापार या सेवा गतिविधियों में शामिल एम. एस. एम. ई. को 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करती है। ये ऋण बैंकों और अन्य ऋण देने वाली संस्थाओं द्वारा माईक्रो यूनिट डेवलपलेपमेण्ट एण्ड रिफाईनेश ऐजेन्सी लिमिटेड (मुद्रा) के माध्यम से दिए जाते हैं। उक्त योजना में शिशु ऋण अधिकतम 50 हजार रुपये, किशोर ऋण 50 हजार से 5 लाख तक व तरुण ऋण 5 लाख से 10 लाख तक है। मुद्रा योजना के अन्तर्गत लिए जाने वाले ऋणों में किसी भी प्रकार की सब्सिडी का प्रावधान नहीं है। इस ऋण में पात्रता आयु 18 वर्ष न्यूनतम, आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र आदि वांछित है।

लोन मेला कार्यक्रम में कुल 39 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इनमें से 16 प्रतिभागियों द्वारा लोन प्रपत्र भरकर पंजीकरण कराया गया।

विकास खण्ड डोईवाला में ऋण मेले का आयोजन : इसी क्रम में दिनांक 26.11.2024 के दिन खत्ता, विकास खण्ड डोईवाला, में भी एक ऋण मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री विजय विजलवाण, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल सहित पूर्व प्रशिक्षणार्थी व वर्तमान में चल रहे प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाओं व जन सामान्य ने प्रतिभाग किया।

लोन मेला कार्यक्रम में जिला उद्योग केन्द्र देहरादून के सहायक प्रबन्धक श्री विजय विजलवाण जी द्वारा ने उपस्थित प्रतिभागियों को राज्य व केन्द्र सरकार की विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस लोन मेला कार्यक्रम में कुल 44 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

विकास खण्ड सहसपुर में ऋण मेले का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा केन्द्रीय व राज्य स्तरीय अनेकों स्वरोजगार योजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनांक 28.11.2024 के दिन खशहालपुर, विकास खण्ड सहसपुर, में ऋण मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र, देहरादून की सहायक प्रबन्धक सुश्री रेखा, श्री गौरव नेगी, संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल सहित पूर्व प्रशिक्षणार्थी व वर्तमान में चल रहे प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाओं व जन सामान्य ने प्रतिभाग किया।

इस लोन मेला कार्यक्रम में कुल 37 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इनमें से 10 प्रतिभागियों द्वारा लोन प्रपत्र भरकर पंजीकरण कराया गया।

धन की सुरक्षा हेतु बैंकिंग सेवाएँ

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बैंक अति महत्वपूर्ण संस्था की भूमिका अदा करते है। बैंक में हम अपने पैसे को सुरक्षित प्रकार से रख कर अपने पैसों की सुरक्षा के प्रति काफी निश्चित हो जाते हैं। बैंकों के माध्यम से रुपया उधार लेकर सम्बन्धित क्षेत्र के कारोबारियों को अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ाने मे काफी सहयोग मिलता है। इससे वह अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं। बड़े कारोबारियों को अपनी सम्पत्ति, कीमती वस्तुएँ एवं जेवर आदि को लाकर में रखने की सुविधा भी बैंक उपलब्ध कराते हैं।

बैंक वह विश्वसनीय संस्था है, जहाँ पर हम अपना धन निश्चिन्त होकर जमा कर सकते हैं और अपनी आवश्यकता के अनुरूप उसे जब चाहें, तब निकाल भी सकते हैं। इस प्रकार बैंक का कार्य अपने पास लोगों के द्वारा जमा किए धन को भलीभाँति संग्रहित करना तथा इसके साथ ही विभिन्न प्रकार का व्यवसाय करने वाले व्यापारियों को उनकी जरूरत के अनुसार ऋण सेवाएँ प्रदान करना भी है।

एक सर्वे के अनुसार अपने देश में 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक है। इसके अतिरिक्त 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा 96,000 ग्रामीण सहकारी बैंक कार्य कर रहे हैं। भारत में बैंकों का इतिहास अंग्रेजों के शासनकाल से प्रारम्भ हुआ। अंग्रेजों के शासन काल से चल रही बैंकों को वर्ष 1955 में एक में विलय कर दिया गया। इसके पश्चात भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना हुई। तत्पश्चात पंजाब नेशनल बैंक, बैंक आफ इंडिया, केनरा बैंक, इण्डियन बैंक आदि अन्य बैंकों की स्थापना हुई। 19 जुलाई, 1969 को देश की प्रमुख 14 बैंकों को राष्ट्रीयकृत किया गया। पुनः 15 अप्रैल 1980 को निजी क्षेत्र की 6 अन्य बैंकों का भी राष्ट्रीयकरण किया गया। बैंकों में पैसा जमा करने पर ब्याज भी प्राप्त होता है। चेक और ई-बैंकिंग के माध्यम से दूरस्थ स्थानों की देनदारी का भुगतान भी आसानी से किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार कीसरकारी सहायता या अनुदान प्राप्त करने के लिए बैंक का खाता होना अति आवश्यक है। प्रायः जन सामान्य को बचत खाता के माध्यम से चेक बुक, एटीएम कार्ड व क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाएँ बैंक उपलब्ध कराता है। यही नहीं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न लोगों के लिए उनकी व्यावसायिक आवश्यकता के अनुसार ऋण भी उपलब्ध कराता है।

इस प्रकार बैंक उपभोक्ताओं और व्यवसायी दोनों को आवश्यक सेवाएँ प्रदान करते हुए उनके धन को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। ❑❑❑

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-69, अंक : 04
अक्टूबर-दिसम्बर, 2024

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

मद्यपान : पारिवारिक एवं सामाजिक सम्बन्धों को बिगाड़ने का कारण

मद्यपान अर्थात नशा एक ऐसी बुराई है जिससे व्यक्ति के पारिवारिक सम्बन्ध तो बिगड़ते ही हैं साथ ही उसका सामाजिक सद्भाव भी बाधित होता है। आज हमारी युवा पीढ़ी सबसे अधिक नशे की आदी होती जा रही है। इससे उनमें पारिवारिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है और संयुक्त परिवार की प्रथा टूटती जा रही है। प्रायः युवा डिप्रेशन, तनाव, बेरोजगारी और अभावग्रस्त जीवन के कारण नशे का सेवन करने लगते हैं। ऐसे में वह परिवार के अन्य सदस्यों की भावनाओं को समझ पाने में स्वयं को असहज महसूस करते हैं। उनमें चिड़चिड़ापन आ जाता है, जिस कारण वह परिवार के सदस्यों के साथ ताल-मेल नहीं बिठा पाते और पारिवारिक कलह प्रारम्भ हो जाती है।

नशे की बीमारी के कारण व्यक्ति असमय ही मौत का शिकार हो जाता है। नशे के लिए समाज में शराब, गाँजा, भाँग, अफीम, गुटखा, तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, चिलम, चरस, स्मैक, कोकीन जैसे घातक मादक पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है।

नशीली वस्तुओं और पदार्थों के सेवन को रोकने और उससे अपनी युवा पीढ़ी को बचाने के दृष्टिकोण से प्रत्येक वर्ष 26 जून को अन्तर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपनी एक बैठक में इस आशय का एक प्रस्ताव पारित कर दिनांक 07 दिसम्बर 1987 से प्रतिवर्ष अन्तराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने का निर्णय लिया। इसका उद्देश्य लोगों को नशें से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशा न करने के लिए प्रेरित करना है।

वस्तुतः किसी भी प्रकार के नशे के सेवन से नशा सेवन करने वाले व्यक्ति के जीवन पर तो दुष्प्रभाव पड़ता ही है इसके साथ ही उस व्यक्ति के परिवार के सभी लोगों के जीवन पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। नशा करने वाले व्यक्ति का शरीर क्षीण हो जाता है। उसको सांस सम्बन्धी शिकायतों के साथ ही लीवर, दिल और फेफड़ों की बीमारी भी हो जाती हैं। उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली भी काफी कमजोर हो जाती है। उसके मस्तिष्क की कार्यप्रणाली असंतुलित हो जाती है। निर्णय लेने में दुविधा, चिन्ता और तनाव तथा आत्महत्या जैसे विचार उत्पन्न होने लगते हैं। यह नशा करने वाला मस्तिष्क के सुन्नपन और उच्च रक्तचाप की बीमारी से जल्द ही ग्रसित हो जाता है। उसका सीधा असर उसके स्नायु तंत्र पर पड़ता है।

नशे की आदत को छोड़ पाना काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण है। इससे छुटकारा पाने के लिए व्यक्ति को नशा मुक्ति केन्द्रों के चिकित्सकों का सहयोग लेकर प्रयास करना चाहिए। इन केन्द्रों के योग्य चिकित्सकों की देख-रेख में दवाओं का नियमित सेवन, स्वस्थ दिनचर्या का पालन और स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य पदार्थों का सेवन करने से नशा करने वाले व्यक्ति की नशे की आदत छूट सकती है। नियमित व्यायाम, योग, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर नशा करने वाले व्यक्ति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सुधार करने में सहयोग प्राप्त होगा। इससे उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार हो सकता है। इससे वह व्यक्ति नशा छोड़कर स्वस्थ जीवन व्यतीत करने में सक्षम हो सकता है।

नशे की समस्या से हमारी युवा पीढ़ी को बचाने के लिए व्यापक स्तर पर नशामुक्ति हेतु लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। समाज के प्रत्येक जागरूक व्यक्ति को नशा मुक्ति अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए इसके साथ ही सरकार की सहभागिता भी इस अभियान की सफलता के लिए आवश्यक है।

□□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।

सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव